हरिभूमि
विंध्य भूमि
सतना | छतरपुर | रीवा | सिंगरौली | पन्ना
जबलपुर, बुधवार 11 मार्च 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

मारपीट और अड़ीबाजी का आरोपी गिरफ्तार

सतना। कोठी क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर नकेल कसने के उद्देश्य से कोठी पुलिस ने मारपीट और अड़ीबाजी के एक मामले में तत्परता दिखाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

क्या है मामला?- बीती 4 मार्च की रात आरोपियों ने फरियादी के साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और मारपीट कर अड़ीबाजी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं 296(**b**), 115(2), 119(1), 351(3), 3(5) के तहत मामला पंजीबद्ध किया था।

आरोपी भेजा गया जेल- पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सतेन्द्र वर्मा उर्फ छोटू 24 वर्ष निवासी ग्राम कठवरिया को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में शामिल दो अन्य आरोपियों की तलाश अभी जारी है। थाना प्रभारी संतोष तिवारी ने बताया कि अपराध और अपराधियों के विरुद्ध यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। कार्रवाई में थाना प्रभारी संतोष तिवारी के साथ प्रधान आरक्षक प्रमोद तिवारी,आरक्षक रामगणेश पटेल और दिलीप यादव का विशेष योगदान रहा।

एचपीवी टीकाकरण को गति देने कलेक्टर पहुंची मैहर अस्पताल

मैहर। जिले में भी महिलाओं मे अक्सर होने वाली गंभीर बीमारी सर्विकल कैंसर से बचाव के लिए 14-15 वर्ष की किशोरी बलिकायों को एचपीवी के टीके 6 स्वास्थ्य केंद्रों में मुफ्त लगाए जा रहे हैं। कलेक्टर मैहर श्रीमति रानी बाटड ने मंगलवार को मैहर के सिविल अस्पताल सहित अन्य टीका करण केंद्रों का निरीक्षण किया और अभियान में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के 14-15 वर्षीय बलिकायों के अभिभावकों से अपनी बेटियों को गंभीर बीमारी से हमेशा के लिए बचाव के लिए टीका लगवाने की अपील की है। जिले के 6 स्वास्थ्य केंद्रोंमे लगभग 8 से 10 हजार रुपये मूल्य का टीका बिल्कुल मुफ्त लगाया जा रहा है।

बच्चियों को वितरित किये ई-टीकाकरण सर्टीफिकेट- मैहर सिविल अस्पताल में एकलव्य आवासीय विद्यालय से टीकाकरण हेतु आई हुई बच्चियों का कलेक्टर द्वारा ओरिएंटेशन किया गया और वैक्सीनेशन के फायदे समझाएं गए एवं साथ ही उन्हें भी आगे रोल मॉडल के रूप में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। बाद में कलेक्टर रानी बाटड ने सभी टीकाकरण करवा चुकी 18 बच्चियों को ई-वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट वितरित किए।

महिलाओं को भी 50 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिएः डॉ. रश्मि

मैहर। नई दिल्ली स्थित एआईसीसी मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित महिला विग सम्मेलन में देशभर से आई महिला प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की उपस्थिति में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी और अधिकारों पर व्यापक चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश से पहुंचीं डॉ. रश्मि सिह ने अपने विचार रखते हुए कहा कि देश और प्रदेश की आधी आबादी महिलाएं हैं इसलिए उन्हें केवल 33 प्रतिशत आरक्षण तक सीमित रखना न्यायसंगत नहीं है। महिलाओं को वास्तविक समान अधिकार और निर्णय प्रक्रिया में प्रभावी भागीदारी देने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

सतना में गैस किल्लत का खतराः कमर्शियल सिलेंडर पर रोक, आज बैठक

अमेरिका,इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध के तनाव का असर अब स्थानीय स्तर पर भी दिखने लगा है।

वैश्विक परिस्थितियों के कारण भविष्य में होने वाली ईंधन की कमी की आशंका को देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड पर है।

सतना।

जिले में गैस सिलेंडर की संभावित किल्लत से निपटने के लिए सरकार ने एहतियाती कदम उठाते हुए कमर्शियल गैस सिलेंडरों के वितरण पर फिलहाल रोक लगा दी है। वहीं,घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग अवधि में भी बदलाव करते हुए इसे बढ़ा दिया गया है।

कलेक्ट्रेट में आज अहम बैठक

इन तमाम परिस्थितियों और व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने के लिए बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट में एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में जिले के सभी गैस डीलरों को अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जाएगी,जिसमें जिले में उपलब्ध गैस के वर्तमान स्टॉक की समीक्षा होगी। साथ ही,यह तय किया जाएगा कि आने वाले दिनों में गैस का वितरण किस तरह से किया जाए ताकि आम जनता को असुविधा न हो।

कालाबाजारी का बढ़ा खतरा

कमर्शियल सिलेंडर पर रोक लगने के बाद अब सबसे बड़ी चुनौती घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी को रोकना है। आशंका जताई जा रही है कि बड़े होटलों से लेकर छोटे-मझौले दुकानदार और ढाबा संचालक चोरी-छिपे घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग कर सकते हैं।यदि ऐसा होता है,तो आम उपभोक्ताओं के लिए सिलेंडर की भारी किल्लत पैदा हो जाएगी। प्रशासन इसी ब्लैक मार्केटिंग को रोकने के लिए रणनीति तैयार कर रहा है।

अधिकारियों का पक्ष

जिला खाद्य अधिकारी सम्यक जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को होने वाली बैठक में स्टॉक की वास्तविकता और वितरण प्रणाली पर विस्तृत चर्चा होगी। हमारा मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि युद्ध जैसी स्थितियों के बीच जिले में गैस की सप्लाई चैन प्रभावित न हो और घरेलू गैस का दुरुपयोग न किया जाए।

मैहर में भी प्रशासन सख्त

सिर्फ सतना ही नहीं,बल्कि पड़ोसी जिले मैहर में भी मंगलवार को कलेक्टर ने आपात बैठक ली। अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी स्तर पर गैस की कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी और निरंतर निगरानी के आदेश जारी कर दिए गए हैं। फिलहाल, प्रशासन की इस सख्ती से बाजार में हड़कंप है,लेकिन आम जनता से संयम बरतने और पैनिक बुकिंग न करने की अपील की गई है।

नशीली कफ सिरप तस्करी पर बड़ी कार्रवाई

कोठी पुलिस ने एक्सीडेंट के बाद घेराबंदी कर पकड़ी 478 शीशी नशीली सिरप, अर्टिगा कार सहित13 लाख का माल जब्त

सतना।

पुलिस अधीक्षक डॉ.हंसराज सिंह के निर्देशन में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार 2.0' के तहत कोठी थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने घेराबंदी कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है,जिनके पास से भारी मात्रा में अवैध नशीली कफ सिरप बरामद की गई है।

एक्सीडेंट की सूचना ने खोला राज

घटना 10 मार्च की दरम्यानी रात की है। थाडीपाथर के पास एक कार और ऑटो के एक्सीडेंट की सूचना पुलिस को मिली थी। मुखबिर ने सूचना दी कि कार चालक मौके से भागने की कोशिश कर रहा है और वाहन में कुछ संदिग्ध सामग्री हो सकती है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कोठी निरीक्षक संतोष तिवारी ने टीम के साथ घेराबंदी की और मारुति सुजुकी अर्टिगा MP19ZP1900 को रुकवाया।

तलाशी में मिला अवैध जखीरा

कार की तलाशी लेने पर पुलिस को 478 नग प्रतिबंधित 'ओनरेक्स' कफ सिरप मिली,जिसकी बाजार कीमत लगभग 96,317 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने नशीली सिरप और 12 लाख रुपये कीमत की अर्टिगा कार को जब्त कर लिया है। इस सिलसिले में दो आरोपीयों को गिरफ्तार किया गया है जिसका नाम मोहम्मद खुर्शीद 28 वर्ष निवासी जवान सिंह कॉलोनी,भुजवा मोहल्ला,कोलगंवा और निखिल राजवानी 25 वर्ष निवासी धवारी (साईं मंदिर के पास), सिटी कोतवाली है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी संतोष तिवारी,सअनि अश्वनीधर द्विवेदी,राजबहादुर सिंह व अन्य आरक्षकों की सराहनीय भूमिका रही। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

सीमेंट कंपनी को लीज देने के विरोध में किसानों की ट्रैक्टर रैली

सतना।

रामपुर बघेलान विधानसभा क्षेत्र के हजारों किसानों ने डालमिया भारत सीमेंट को खनन लीज दिए जाने के विरोध में हुंकार भरी है। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के बैनर तले किसानों ने हवाई पट्टी मोड़ से कलेक्ट्रेट तक विशाल ट्रैक्टर रैली निकाली। हालांकि, पुलिस ने सुरक्षा कारणों से ट्रैक्टरों के काफिले को राजेंद्र नगर के पास रोककर रेलवे ग्राउंड में खड़ा करवा दिया,जिसके बाद किसान पैदल ही कलेक्ट्रेट पहुंचे। किसानों का मुख्य विरोध एसडीएम कार्यालय द्वारा जारी उस नोटिस को लेकर है, जिसमें 26 फरवरी तक उपस्थित न होने पर एकपक्षीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। किसानों को डर है कि मिनरल कंसेशन रूल्स 2016 का हवाला देकर उनकी पुश्तैनी कृषि भूमि को 40 साल की लंबी लीज पर सीमेंट कंपनी को सौंपने की तैयारी है।

प्रमुख मांगें

एसडीएम द्वारा जारी नोटिस को तत्काल निरस्त किया जाए। जमीन के बदले चार गुना मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को नौकरी और उचित पुनर्वास की व्यवस्था हो।लीज आवंटन और ई-ऑक्शन की प्रक्रिया को सार्वजनिक कर पारदर्शिता बरती जाए। किसानों ने कलेक्ट्रेट के समक्ष धरना देकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।भाकियू नेताओं का आरोप है कि बिना किसी जनसुनवाई या सहमति के प्रशासन भूतल प्रति कर (सालाना किराये) के आधार पर जमीन छीनने की कोशिश कर रहा है,जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का आज आगमन: अल्प प्रवास से बड़ी उम्मीदें, क्या सुधरेगी शहर की सूरत?

सतना।

मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बुधवार, 11 मार्च को सतना के प्रवास पर रहेंगे। उनके आगमन की खबर ने जहाँ प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है, वहीं सतना के आम नागरिकों में एक बार फिर विकास की नई उम्मीदें जाग उठी हैं।

मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार,प्रभारी मंत्री श्री विजयवर्गीय 11 मार्च को प्रातः 6:30 बजे रेवांचल एक्सप्रेस द्वारा सतना स्टेशन पहुँचेंगे। यहाँ स्थानीय जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। स्थानीय कार्यक्रमों में शिरकत करने के पश्चात, वे दोपहर 1 बजे सड़क मार्ग द्वारा खजुराहो के लिए प्रस्थान कर जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक वे यहां पर एक शादी समारोह में भी शामिल होंगे।

अल्प प्रवास पर टिकीं जनता की निगाहें

सतना के प्रभारी मंत्री का जिला आगमन काफी कम अंतराल पर होता है। ऐसे में शहरवासी इस बात को लेकर उत्साहित भी हैं और थोड़े संशय में भी कि क्या मात्र साढ़े छह घंटे के इस अल्प प्रवास में शहर की ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा हो पाएगी? नागरिकों का कहना है कि प्रभारी मंत्री का आना हमेशा एक उम्मीद लेकर आता है कि शायद अब रुके हुए विकास कार्यों को गति मिलेगी और बदहाल व्यवस्थाएं पटरी पर लौटेंगी।

शहर की प्रमुख चुनौतियां और उम्मीदें

चूँकि श्री विजयवर्गीय के पास नगरीय विकास एवं आवास जैसा महत्वपूर्ण विभाग है, इसलिए नगर निगम की कार्यप्रणाली और शहर के बुनियादी ढांचे को लेकर उनसे काफी अपेक्षाएं हैं। नागरिकों को उम्मीद है कि मंत्री जी महत्वपूर्ण कार्यों को लेकर निर्देश दे सकते हैं, जैसे शहर की बदहाल सड़कें और जल निकासी की समस्या से त्रस्त जनता को ठोस समाधान की उम्मीद है। गर्मी की आहट के साथ ही जल आपूर्ति बेहतर करने,जिस पर त्वरित निर्णय की आवश्यकता है। स्मार्ट सिटी और अन्य योजनाओं के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की धीमी गति पर मंत्री जी का चाबुक चल सकता है।

क्या होगा खास?

अब देखना यह होगा कि प्रभारी मंत्री अपने इस संक्षिप्त दौरे में केवल औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित रहते हैं या अधिकारियों की बैठक लेकर शहर के विकास और लोगों की सहूलियत के लिए कुछ कड़े फैसले लेते हैं। सतना की जनता को भरोसा है कि कैलाश विजयवर्गीय जैसे कद्दावर नेता के निर्देशों के बाद जिले की प्रशासनिक मशीनरी निश्चित रूप से सक्रिय होगी।

सतनाः रीवा और जबलपुर से भी महंगी जमीन, विन्ध्य चैम्बर ने जताया कड़ा विरोध

कलेक्टर को सौंपा सुझाव पत्र; व्यावसायिक क्षेत्रों में 20,000 प्रति वर्गफीट की दर को बताया अतार्किक और निवेश विरोधी

सतना।

विन्ध्य चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज ने जिले में वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित शासकीय गाइडलाइन दरों में की गई अप्रत्याशित वृद्धि पर गहरा रोष व्यक्त किया है। चैम्बर भवन में आयोजित बैठक के बाद अध्यक्ष सतीश सुखेजा एवं मंत्री हरिओम गुप्ता के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को सुझाव पत्र सौंपकर इन विसंगतिपूर्ण दरों को तर्कसंगत बनाने की मांग की।

रीवाः यहाँ मुख्य बाजार और मॉल में अधिकतम दर मात्र 4,000 से 7,500 है।

जबलपुरः महानगर होने के बावजूद वहां के प्राइम लोकेशन (सिविक सेंटर, राइट टाउन) में दरें 5,000 से 12,000 के बीच हैं।

चैम्बर का तर्क है कि सतना में पड़ोसी संभागों की तुलना में दरें कई गुना अधिक होना पूरी तरह आधारहीन है। मूल्यांकन के नियमों की अनदेखी चैम्बर ने पत्र में स्पष्ट किया कि मूल्यांकन के स्थापित सिद्धांतों के विपरीत,सतना में मुख्य मार्ग पर स्थित भवनों में 'फ्रंट' (आगे) और 'बैक' (पीछे) की दुकानों के लिए समान दर से स्टाम्प ड्यूटी ली जा रही है। रीवा और जबलपुर में अंदर की दुकानों पर 20-25% की छूट दी जाती है,जिसे सतना में लागू नहीं किया जा रहा।

रीवा में 7,500 तो सतना में 20,000 क्यों?

चैम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने तुलनात्मक आंकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि सतना के मुख्य व्यावसायिक क्षेत्रों (वार्ड 40, 41 और सभी मुख्य मार्ग) में दर 20,000 प्रति वर्गफीट निर्धारित है।

संकरी गलियों और रिहायशी मकानों पर व्यावसायिक टैक्स की मार

मंत्री हरिओम गुप्ता ने बताया कि वार्ड 39, 40 और 41 में पूरी तरह रिहायशी भवनों का भी व्यावसायिक दर से मूल्यांकन किया जा रहा है। वर्ष 2023-24 में जिन तंग गलियों की दर 20,000 प्रति वर्गमीटर थी, उन्हें बढ़ाकर 75,000 कर दिया गया है। व्यावसायिक दरें तो 40,000 से सीधे 1,57,000 तक पहुँच गई हैं,जो बाजार मूल्य से कई गुना अधिक हैं।

अर्थव्यवस्था और राजस्व पर बुरा असर

चैम्बर ने चेतावनी दी है कि इस 'आर्टिफिशियल वैल्यूएशन' के कारण जिले को तीन बड़े नुकसान हो रहे हैं। पूंजी का पलायनः निवेशक सतना छोड़कर अन्य जिलों का रुख कर रहे हैं। राजस्व की हानिः भारी रजिस्ट्री खर्च से बचने के लिए लोग केवल 'एग्रीमेंट' या 'पावर ऑफ अटार्नी' पर काम कर रहे हैं, जिससे सरकार को स्टाम्प ड्यूटी नहीं मिल रही। बैंकिंग जोखिमः संपत्तियों का कृत्रिम मूल्यांकन बढ़ने से भविष्य में बैंकों के NPA (डूबे कर्ज) बढ़ने का खतरा है।

पुनर्निर्धारण की मांग

विन्ध्य चैम्बर ने जिला मूल्यांकन समिति से मांग की है कि रीवा,कटनी और जबलपुर की दरों का अध्ययन कर सतना की गाइडलाइन को 'रेशनलाइज' (युक्तियुक्त) किया जाए। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोहर वाधवानी,कनिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक अग्रवाल,कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल,ई.प्रभात जैन, ई. विपिन त्रिपाठी, दीपक चांदनी,हिमांशु अरोरा,अनिल धनवानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बदबूदार पानी से त्रस्त हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के निवासी इंदौर जैसी घटना का इंतज़ार कर रही है नगर पालिका: प्रभात

मैहर। मैहर नगर की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में पेयजल की गंभीर समस्या को लेकर अब लोगों का गुस्सा खुलकर सामने आने लगा है। कॉलोनी निवासी महेश रमानी ने बदबूदार और संक्रमणयुक्त पानी की समस्या को लेकर अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि पिछले लंबे समय से घरों में जो पानी सप्लाई हो रहा है उसमें इतनी दुर्गंध है कि उसे पीना तो दूर,उपयोग करना भी मुश्किल हो गया है। बताया गया है कि कई बार शिकायत के बावजूद नगर पालिका द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों के घरों में आने वाला पानी इतना दूषित है कि इससे बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है जिससे कॉलोनी के लोग भय और असहाय स्थिति में जीने को मजबूर हैं। इस गंभीर समस्या की जानकारी मिलने पर पूर्व नगर पालिका पार्षद एवं कांग्रेस के नगर अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार की पूरी बात सुनी। उन्होंने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो मैहर में भी इंदौर जैसी जलजनित बीमारी की भयावह स्थिति पैदा हो सकती है। शासन और प्रशासन का पहला कर्तव्य नागरिकों को स्वच्छ जल और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना है। यदि कोई व्यवस्था जनता को साफ पानी और साफ हवा तक उपलब्ध नहीं करा पा रही है तो ऐसी व्यवस्था के अस्तित्व पर ही सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की इस गंभीर समस्या को लेकर संबंधित अधिकारियों को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए, अन्यथा यह समस्या किसी बड़े स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। द्विवेदी ने नगर पालिका के सीएमओ और जिम्मेदार अधिकारियों को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि जनता के स्वास्थ्य से जुड़ा यह मामला बेहद संवेदनशील है और इसमें लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मैहर एसपी कार्यालय में हुई जनसुनवाई

मैहर। पुलिस अधीक्षक कार्यालय,मैहर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ चंचल नागर द्वारा जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने अपनी समस्याऐं/शिकायतें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रस्तुत की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा शिकायतों के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया गया। संबंधित अधिकारी/थाना प्रभारी को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

खबर संक्षेप

वन कर्मियों ने मोहन्द्रा में किया अजगर का सफल रेस्क्यू, सुरक्षित जंगल में छोड़ा गया

पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमण्डल अंतर्गत मोहन्द्रा वन परिक्षेत्र में मोहन्द्रा निवासी श्री जगजीवन चौरसिया के घर के पास अजगर सर्प दिखाई देने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम सक्रिय हुई और वनरक्षक हरिशंकर अहिरवार एवं जय प्रकाश दुबे द्वारा तत्परता से मौके पर पहुंचकर अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। सावधानीपूर्वक रेस्क्यू के बाद सर्प को सुरक्षित रूप से उसके प्राकृतिक आवास (जंगल) में छोड़ दिया गया। अजगर (इंडियन रॉक पाइथन) भारत में पाया जाने वाला एक बड़ा लेकिन सामान्यतः शांत स्वभाव का सर्प है। यह मुख्य रूप से चूहों, पक्षियों तथा छोटे जानवरों को खाकर प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वन विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं अजगर या कोई अन्य वन्यजीव दिखाई दे तो घबराएं नहीं, उससे दूरी बनाए रखें और तुरंत वन विभाग को सूचना दें। किसी भी स्थिति में स्वयं उसे पकड़ने या नुकसान पहुंचाने का प्रयास न करें।

वनरक्षक आवास जुर्सिंहा में बुन्देली फाग उत्सव का आयोजन

पन्ना। बुन्देलखण्ड क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं में फाग गायन का विशेष स्थान है, जो मुख्यतः होली के अवसर पर गाया जाता है। फाग गीतों के साथ ढोलक, नगड़िया, मंजीरा और झांझ जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों की संगत वातावरण को उल्लासपूर्ण बना देती है। समय के साथ यह लोक परंपरा धीरे धीरे कम होती जा रही है, ऐसे में इसके संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। इसी उद्देश्य से दक्षिण पन्ना वनमण्डल के वन परिक्षेत्र कल्दा अंतर्गत वनरक्षक आवास जुर्सिंहा में वनरक्षक वीरेन्द्र पटेल द्वारा बुन्देली संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए फाग उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आसपास के 5 से 6 गांवों के लगभग 200 ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और लगभग 4-5 घंटे तक फाग गीतों की मधुर धुनों में सराबोर रहे। इस प्रकार के आयोजन क्षेत्र में सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक एकता को मजबूत करते हुए समुदाय को एक सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं।

किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त का वितरण 13 मार्च को

पन्ना। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त राशि का वितरण किसान हितग्राहियों को शुक्रवार, 13 मार्च को किया जाएगा। इसे पीएम किसान उत्सव दिवस के रूप में मनाने के लिए आयुक्त भू संसाधन प्रबंधन कार्यालय द्वारा आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। जिला और विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने, निर्धारित स्थानों पर कार्यक्रम के लाइव टेलीकास्ट की व्यवस्था सहित ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम प्रसारण की व्यवस्थाओं के लिए निर्देशित किया गया है। पटवारियों को नियत ग्रामों के लिए विलेज नोडल अधिकारी के रूप में भी नामांकित किया गया है। नोडल अधिकारी द्वारा किसानों को कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही कृषकों को किस्त प्राप्ति के लिए ई-केवायसी, आधार व बैंक खाता लिंकिंग एवं पीएम किसान पोर्टल पर स्टेटस अवलोकन करने संबंधी जानकारी भी दी जाएगी। जिला कलेक्टर ने सभी एसडीएम, तहसीलदार और जनपद पंचायत सीईओ को कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों व हितग्राहियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने सहित अन्य जरूरी प्रबंध के संबंध में निर्देश दिए हैं। विगत दिवस माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय के बाद कांग्रेस के दिग्गज नेता पूर्व मंत्री मुकेष नायक ने सोषल मीडिया में पवई विधायक प्रहलाद लोधी को लेकर एक बार फिर चर्चा में

दो वर्ष की सजा के बाद दूसरी बार विधायक माननीय न्यायालय की स्टे से चल रही दास्ता

पन्ना। विगत दिवस माननीय ग्वालियर उच्च न्यायालय से जहां चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी के विधायक मुकेष मल्होत्रा जो लगभग 7 हजार वोटो से चुनाव जीते थे वहीं जो शपथ पत्र नामांकन भरते समय दिया गया था उसमें उनके ऊपर आरोप कहीं न कहीं क्रमिनल मामले छुपाने का जो लगा था उसमें मुकेष मल्होत्रा ने पूरी जानकारी नहीं दी थीं दो क्रमिनल रिकार्ड बताये थे जबकि चार केष छिपाये थे।

केन-बेतवां लिंक परियोजना के बाद अब रूंझ डेम व मझगांय मध्यम सिंचाई परियोजना में भू-अर्जन को लेकर विस्थापित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए अमित भटनागर ने पदयात्रा के बाद लगाये कानून का पालन न करने का आरोप

रूंझ डेम परियोजना हो या फिर मझगांय मध्यम सिंचाई परियोजना जहां अब इन परियोजनाओं के पूर्ण होने का समय जब आने वाला है तब केन-बेतवां लिंक परियोजना के बाद अमिट भटनागर समाजसेवी ने इन परियोजनाओं से प्रभावित गांवों का पदयात्रा कर पीडित परिवारों से रूबरू होकर अब उन्हें न्याय दिलाने की बात को लेकर प्रषासन की कार्यप्रणाली भू-अर्जन में जो अपनाई गई है उसमें पालन नहीं किये जाने का आरोप लगाया है।

पन्ना।

गौरतलब बात तो यह है कि जब अमिट भटनागर से सवाल पूंछा गया कि 10वों वर्ष बाद अब इनके साथ जो अन्याय की बात अब की जा रही है आखिर अब होगा क्या जब इन्हें मुआवजा भी मिल गया भू-अर्जन की कार्यवाही भी हो गई क्या विलंब नहीं हो गया। तो जवाब दिया कि आम जनता को जानकारी नहीं वहीं कानून का पालन अगर नहीं किया गया तो कहां गलती हुई है। आखिर सुधार को लेकर हम प्रषासन के साथ अपनी मांग रखेगें। जो लोग प्रभावित है उनके साथ अन्याय हो रहा है। उन्हें न्याय दिलाने की बात की जा रही है। वहीं जिला प्रषासन की मुखिया कलेक्टर से भी मिलकर अपनी बात रखेगें वहीं कई लोगों को आत्महत्या करने या इन परियोजनाओं से प्रभावित लोगों में जो असर हुआ उसको लेकर कहीं न कहीं प्रषासन के ऊपर आरोप लगाये जा रहे है। अब देखना यह है कि अमिट भटनागर ने जो रूंज डेम व मझगांय डेम से प्रभावित विस्थापित परिवारों को लेकर जिनके द्वारा आरोप लगाये जा रहे है वहीं समाजसेवी अमिट भटनागर इन्हें न्याय दिलाने के लिए पहल कर रहे है। आखिर जब उनके साथ आये लोगों से जाना गया इस दौरान आपने स्थानीय प्रषासन व जनप्रतिनिधियों से अपनी बात क्यों नहीं रखी। तो जवाब दिया कोई सुनने वाला नहीं। भगवान ने अमित जी को हमारे पास भेज दिया सायद अब हमारी बात की सुनवाई हो। सच्चाई क्या है यह तो आगे स्वयं ही सामने आयेगी पर एक बार फिर अमित भटनागर ने पन्ना जिले में मध्यम सिंचाई परियोजना मझगांय डेंम व रूंझ डेंम परियोजनाओं से प्रभावित परिवारों को जहां भू-अर्जन के दौरान केन्द्र सरकार से जो मापदण्ड मुआवजा के तय किये गये उसका पालन नहीं किया गया। वहीं पीडित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखी जायेगी। धरना-प्रदर्षन की जरूरत पड़ी तो वह भी अंजाम देने की बात भी की जा रही है। कानून का पालन कराया जाये प्रभावितों को कानून के अनुसार तय मापदण्ड से मुआवजा मिले सिंचाई रकवा कुआं से पट्टे में अंकित पर कार्यवाही में असिंचित भूमि दिखाई गई इस तरह के आरोप सामने आये है। प्रेस कांफ्रेस के दौरान वहीं कई लोगों को असमायिक मौत बीमारियो के चलते इस शोक के कारण बयां किया गया है सच्चाई क्या है यह तो आगे खुद सामने आयेगी। मामला चाहे जो हो पर दसों वर्ष बाद एक बार फिर रूंझ डेम व मझगांय डेम से प्रभावित परिवार जिन्हें भू-अर्जन की कार्यवाही में मुआवजा मिल चुका है लेकिन उनके साथ मुआवजा देने की कार्यवाही में कानून का पालन नहीं किये जाने का आरोप जो लगा है आगे होता है क्या यह तो आने वाला वक्त ही तय करेगा।

पवई पुलिस की कार्यवाही, दो स्थाई वारंटी गिरफ्तार करीब सात वर्षों से फरार चल रहे थे आरोपी

पवई। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को लंबे समय से लंबित स्थाई वारंटियों की तामील सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया था। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती वंदना सिंह एवं एसडीओपी पवई श्रीमती भावना दांगी के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी पवई निरीक्षक श्री सुशील कुमार अहिरवार के नेतृत्व में पवई पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही की गई। पवई पुलिस द्वारा उक्त वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे थे तथा उनकी तलाश के लिए मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया था। इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दोनों आरोपी होली का त्योहार मनाने अपने घर आए हुए हैं। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम द्वारा तत्काल दबिश देकर पिछले लगभग सात वर्षों से फरार चल रहे दो स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय पवई के प्रकरण क्रमांक 681/18 धारा 457, 380 भादवि तथा प्रकरण क्रमांक 406/19 धारा 294, 323, 506 भादवि के आरोपी क्रमशः पंकज खम्परिया पिता अयोध्या प्रसाद निवासी पटना खम्परिया थाना सिमरिया एवं दयाराम चौधरी पिता टंटा चौधरी निवासी ग्राम महेडा को पवई पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय के आदेशानुसार दोनों आरोपियों को उप जेल पवई दाखिल कर दिया गया है।

उल्लेखनीय भूमिका

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी पवई निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक विजय गर्ग, प्रधान आरक्षक अंजनी तिवारी, प्रधान आरक्षक नीरज रैकवार एवं आरक्षक मनोज अहिरवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गजराज की सवारी के साथ गुनौर में पंच कल्याणक महोत्सव का भव्य समापन

गुनौर।

नगर में बीते 5 मार्च से आयोजित हो रहे छह दिवसीय श्रीमज्जिनेंद्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का मंगलवार (10 मार्च 2026) को भक्ति और उत्साह के साथ समापन हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान के अंतिम दिन नगर में भव्य गजरथ फेरी निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महोत्सव के अंतिम दिन का मुख्य आकर्षण गजराज (हाथियों) की शोभायात्रा रही। सुसज्जित गजरथों पर भगवान की प्रतिमाओं को विराजमान कर पूरे नगर में भ्रमण कराया गया। श्रद्धालुओं ने जयकारों और भजनों के साथ गजरथ के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। नगर के प्रमुख मार्गों को तोरण द्वारों और रंगोली से सजाया गया था।

महोत्सव के प्रमुख पड़ाव

5 मार्च से शुरू हुए इस महोत्सव में जैन धर्म के अनुसार भगवान के जीवन की पांच शुभ घटनाओं (पंचकल्याणक) का मंचन और अनुष्ठान किया गया। गर्भ एवं जन्म कल्याणकरू महोत्सव के शुरुआती दिनों में भगवान के जन्म और माता के 16 स्वप्नों का भव्य चित्रण किया गया। तप और ज्ञान कल्याणकरू मुनि संघ के सानिध्य में दीक्षा और केवल ज्ञान की प्राप्ति से जुड़े धार्मिक विधान पूर्ण किए गए। मोक्ष कल्याणकरू मंगलवार को निर्वाण लाडू चढ़ाने और गजरथ फेरी के साथ प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुई। यह पूरा आयोजन आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज एवं अन्य मुनि संघ के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। संतों ने अपने प्रवचनों में अहिंसा, संयम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। आयोजन समिति ने समापन के अवसर पर सभी सहयोगियों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

शास. महा. पवई जिला-पन्ना में चार दिवसीय विज्ञान दिवस-2026 का पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न हुआ

पवई।

शासकीय महाविद्यालय पवई में चार दिवसीय विज्ञान दिवस के चौथे दिवस संस्था प्राचार्य डॉ० ज्योति डावर की अध्यक्षता में कार्यक्रम का सरस्वती माँ पर दीप प्रज्जलन व माल्यार्पण से आरम्भ किया गया। डा. ज्योति डावर के द्वारा सभी को शुभकामनाए देते हुये उद्बोधन में बताया कि चार दिवसीय विज्ञान दिवस को उत्सव के रूप में मनाया गया साथ ही सभी विद्यार्थियों ने विज्ञान दिवस के उद्देश्य को जाना और समझा होगा तथा विज्ञान के प्रति रुचि ,सोच, जिज्ञासा व नवाचार आदि करने के साथ-साथ भविष्य में विज्ञान के पति जागरूकता फैलाना और अनुसंधान के पति रुचि जाग्रत करना और विज्ञान के छोटे छोटे पहलुओं को समझा होगा। तत्पश्चात पुरस्कार वितरण प्राचार्य महोदय द्वारा किया गया। चार दिवसीय कार्यक्रम में पोस्टर मॉडल प्रस्तुतीकरण, प्रश्नोत्तरी रंगोली, व्याख्यान निबंध व ऑनलाइन क्विज किवन प्रतियोगिताएँ सम्पन्न हुई। जिसमें पोस्टर प्रस्तुतीकरण में प्रथम स्थान कुमारी रश्मि काछी उेब प्रथम वर्ष द्वितीय हर्षिता जैन बीएससी द्वितीय वर्ष श तृतीय स्थान कु शानिया चौरसिया स्थान प्राप्त किया। मॉडल प्रस्तुतीकरण में प्रथम - कु.प्रिंसी सोनी , द्वितीय कु. हर्षिता जैन रंगोली में प्रथम कु० वंदना चौधरी, दितीय कु.हर्षता जैन , तृतीय स्थान संध्या वर्मन व शिवांगी सिंह ने स्थान प्राप्त किया। वहीं प्रश्नोतरी में प्रथम ज्योतिराज सेन,द्वितीय स्थान प्रतीक्षा सिंह , तृतीय स्थान रमाकान्त चौधरी व हिमांशी गर्ग में प्राप्त किया। सभी प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शील्ड ,प्रमाण-पत्र व मेडल प्रदान किया गया साथ ही प्रतियोगिता में भाग होने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व मेडल प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अन्त में डॉ० कमल प्रताप सिंह परमार के द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन व संचालन के लिए सभी का आभार प्रदर्शन किया गया। मंच संचालन दीपेन्द्र सतनामी व डॉ विनोद पंकज मिश्रा के बारा किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डा० के० डी. सिंह सहायक प्राध्यापक व डॉ० राजकरण कोरी सहायक प्राध्यापक, डॉ विद्युत शर्मा , डॉ प्रवीण सिंह डा० सविता वर्मा डॉ अरुणा श्वेता , डॉ शमशेर अली , श्रीमती मोहिनी अहिरवार, आशीष कुमार गंधर्व, राजकुमार पटेल, कोरिया चौधरी, शरीफ मोहम्मद विनोद अहिरवार अर्जुन बाल्मीकि श्री कमल खंगार, मोहित खंगार, लखन लाल आदि उपस्थित रहे।

कृषि उपज मंडी देवेंद्रनगर में सन्नाटा! कागज़ों में कारोबार, जमीन पर एक दाना भी नहीं

कागज़ों में चल रही देवेंद्रनगर मंडी, परिसर में नहीं पहुंच रहा एक दाना

देवेंद्रनगर।

जिले की कभी सबसे अग्रणी मानी जाने वाली कृषि उपज मंडी देवेंद्र नगर आज सवालों के घेरे में है। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि मंडी परिसर में किसानों का एक किलो अनाज भी नहीं पहुंच रहा, लेकिन कागजों में खरीद-फरोख्त जारी है। किसानों का आरोप है कि मंडी में नीलामी प्रक्रिया ठप पड़ी है। मजबूरन उन्हें अपनी उपज निजी व्यापारियों के यहां या जिले की अन्य मंडियों में बेचनी पड़ रही है। इससे न केवल उन्हें उचित दाम से वंचित होना पड़ रहा है, बल्कि शासन की पारदर्शी मंडी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। "टॉप मंडी" से "कागजी मंडी" तक एक समय था जब दूसरे जिलों के किसान भी यहां फसल बेचने आते थे। आज वही मंडी वीरान पड़ी है। किसानों का कहना है कि अधिकारियों की लापरवाही और कथित सांठगांठ ने मंडी की साख खत्म कर दी है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की मंशा के उलट हालात

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने और त्वरित समाधान के लिए लगातार योजनाएं लागू कर रहे हैं। और अधिकारियों को निर्देश दे रहे हैं लेकिन देवेंद्रनगर में जमीनी हकीकत इन दावों से उलट नजर आ रही है। सवाल उठ रहा है कि क्या स्थानीय जिम्मेदार अधिकारी शासन की मंशा को ही पलीता लगा रहे हैं? प्रशासन कब जागेगा? किसानों ने पन्ना जिला प्रशासन से तत्काल जांच और नियमित नीलामी शुरू कराने की मांग की है। उनका आरोप है कि यदि यही हाल रहा तो किसानों का मंडी से भरोसा पूरी तरह खत्म हो जाएगा। अब निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैंकृक्या "कागजों की मंडी" का सच सामने आएगा या फिर किसानों की आवाज यूं ही दबा दी जाएगी?

स्टेट बैंक अजयगढ़ के कर्मचारी की अभद्रता को लेकर सौंपा ज्ञापन

पन्ना। स्टेट बैंक शाखा में कार्यरत कर्मचारी की अभद्रता एवं मनमानी को लेकर स्थानीय किसानों एवं अन्य लोगों ने ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की है आवेदक महिला फूल कली ने बताया कि दिनांक 6 मार्च को मैं स्टेट बैंक शाखा आजमगढ़ में धनराशि जमा करने आई थी इस दौरान बैंक में पदस्थ कर्मचारियों द्वारा बुरी तरह से अभद्रता एवं बेइज्जती की गई जिससे मुझे मानसिक आघात पहुंचा है पीड़ति तथा अन्य लोगों के साथ दिनांक 9 मार्च को स्टेट बैंक शाखा प्रबंधक अजयगढ़ को आवेदन देकर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की इस दौरान अनेक लोगों उपस्थित रहे । जिसमें मुख्य रूप से कमलेश पटेल बाबा जी कैलाश पटेल विनोद राजेंद्र छोटे राम सुरेश गजराज दशरथ आदि शामिल रहे।

सिविल सेवा परीक्षा में एआईआर-170 प्राप्त करने वाले डीएवी मझगवां के पूर्व छात्र अभिजीत जैन का विद्यालय में सम्मान

पन्ना।

संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 170 प्राप्त कर डीएवी मझगवां, पन्ना के पूर्व छात्र अभिजीत जैन ने अपने परिवार, विद्यालय और पूरे पन्ना जिले का नाम रोशन किया है। अभिजीत जैन ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा डीएवी मझगवां से एलकेजी कक्षा से प्राप्त की। विद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा दिए गए अनुशासन, संस्कार और शिक्षा ने उनके व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस उपलब्धि पर डीएवी परिवार एवं एनएमडीसी प्रबंधन ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। डीएवी संस्थान, माननीय अध्यक्ष श्री पूनम सूरी जी, अन्य

पदाधिकारियों तथा निदेशक डॉ. (श्रीमती) निशा पेशिन के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन और उत्कृष्टता की भावना विकसित करने के लिए निरंतर कार्यरत हैं। विगत दिवस दिनांक 9 मार्च को विद्यालय के सभागार में अभिजीत जैन के सम्मान में एक समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के चेयरमैन एवं डायमंड प्रोजेक्ट, पन्ना के हेड ऑफ प्रोजेक्ट आर. राजाकुमार द्वारा अभिजीत जैन को सम्मानित किया गया। समारोह में एनएमडीसी परियोजना के सभी विभागाध्यक्ष, विद्यालय के प्राचार्य पी. सी. सिंह, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अभिजीत जैन के पिता एवं माता को भी उनके पुत्र की इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्राचार्य पी. सी. सिंह ने कहा कि अभिजीत जैन की यह उपलब्धि डीएवी मझगवां के विद्यार्थियों और पन्ना जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

खबर संक्षेप

छतरपुर में एचसीएल कंपनी की ब्रीफिंग 12 को

छतरपुर। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नमः शिवाय अरजरिया ने जिले के होनहार छात्र-छात्राओं के लिए बड़ी सौगात की घोषणा की है। विश्व की तीसरी सबसे बड़ी टेक कंपनी एचसीएल के साथ मिलकर जिला प्रशासन 12 मार्च को छतरपुर के ऑडिटोरियम में एक विशेष ब्रीफिंग का आयोजन कर रहा है। इस ब्रीफिंग में कंपनी के प्रतिनिधि छात्रों को एचसीएल के प्रोग्राम के बारे में विस्तृत जानकारी देंगे।

अरजरिया के अनुसार, ब्रीफिंग के बाद एक सप्ताह के अंदर ही परीक्षा आयोजित की जाएगी। चयनित छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ प्रतिवर्ष ढाई से तीन लाख रुपये तक का आकर्षक पैकेज मिलेगा। यह अवसर मुख्य रूप से 12वीं पास युवाओं के लिए है, जिसमें आईटी क्षेत्र में उच्च शिक्षा और नौकरी दोनों का सुनहरा संयोजन मिलेगा। जिले से करीब 30 या इससे अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं का चयन होने की संभावना है।

राम-जानकी मंदिर में स्थापित होगी 11 फीट ऊंची हनुमान प्रतिमा

छतरपुर। छतरपुर जिले के नरसिंहगढ़ पुरवा में स्थित प्राचीन राम-जानकी मंदिर अब एक नए भव्य रूप में नजर आएगा। यहां जल्द ही 11 फीट ऊंची भगवान हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। दानदाताओं और श्रद्धालुओं के उदार सहयोग से मंदिर का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है, जिससे अब मंदिर परिसर पूरी तरह नया और आकर्षक दिखाई दे रहा है। मंदिर से जुड़े मनोज त्रिवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर का पूर्ण कायाकल्प किया गया है और इसे आधुनिक सुविधाओं के साथ नया रूप प्रदान किया गया है। इसके अलावा मंदिर परिसर में पाषाण से निर्मित 11 फीट ऊंची दक्षिणमुखी खड़े हनुमान जी की प्रतिमा का निर्माण कार्य भी अंतिम चरण में है, जो शीघ्र ही पूर्ण हो जाएगा।यह विशेष प्रतिमा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के संकल्प के अंतर्गत देशभर में स्थापित की जाने वाली 108 हनुमान प्रतिमाओं की श्रृंखला में पहली प्रतिमा होगी। इस संकल्प के तहत नरसिंहगढ़ पुरवा स्थित राम-जानकी मंदिर को यह गौरव प्राप्त हो रहा है।

प्रदेश में सबसे ज्यादा छतरपुर की तीन महिला सरपंच अपने अनुभव और को साझा करेंगी

छतरपुर। 11 मार्च 2026 को दिल्ली में आयोजित होने वाले एक दिवसीय राष्ट्रीय महिला दिवस के आयोजन समारोह में छतरपुर जिले की ग्राम पंचायत ईशानगर सरपंच निधि मिश्रा (बीकन लीडर), गोरा ज्योति मिश्रा एवं बरद्वाहा कविता यादव सहित जनपद पंचायत सीईओ बड़ामलहरा ईश्वर सिंह वर्मा को कार्यक्रम में सहभागिता करने के लिए आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बालिका हितैषी अंतर्गत पंचायतों में आए बदलाव एवं किए गए कार्यों की शॉर्ट वीडियो दिखाई जाएगी और सरपंच अपनी पंचायतों का प्रतिनिधित्व करेंगी। साथ ही आने वाली चुनौतियों एवं अनुभवों को साझा करेंगी।जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया द्वारा सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं। जिले की 15 पंचायतों को महिला एवं बालिका हितैषी पंचायत के रूप में चिन्हित किया गया है। साथ ही पंचायती राज विभाग भारत सरकार एवं पंचायत ग्रामीण विकास विभाग मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान अंतर्गत (आरजीएस) तथा यूएनएफपीए के संयुक्त तत्वावधान में इन पंचायतों को महिला एवं बालिका हितैषी बनाने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। डीपीएम आरजीएसए नीतेश उपाध्याय ने बताया कि इन सभी ग्रामों में महिला सरपंच है जो महिलाओं की ग्राम पंचायतों में भागीदारी सुनिश्चित कराने, ग्राम स्तर पर महिलाओं और किशोरियों की आवश्यकताओं, अधिकारों और अवसरों को प्राथमिकता देने एवं लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, सशक्त बनाने और स्थानीय शासन में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कराने के क्षेत्र में कार्य कर रहीं हैं।

ये पंचायतें हैं शामिल

महिला एवं बालिका हितैषी ग्राम पंचायतों में पिपट, झमटुली, कुटिया, पाय, गोरा, ईशानगर, सीगौन, थरा, तिलौंहा, कीरतपुरा, बनगाय, बरद्वाहा, ढढ़ारी, कंदोहा और ओंटापुरवा शामिल है।

दो हफ्ते बाद भी गुटखा फैक्टी के संचालक का नहीं लगा सुराग, प्रशासन एवं पुलिस की कार्यवाही पर लगने लगा प्रश्न चिन्ह

छतरपुर। दो सप्ताह पूर्व नौगांव थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित गुटखा फैक्टी पकड़ी गई थी लेकिन आज दिनांक तक इस गुटखा फैक्टी के असली मालिक का पता ना तो नौगांव पुलिस लगा पा रही है और ना ही प्रशासन। गुटखा फैक्टी के असली मालिक का सुराग ना लगने के कारण एफआईआर दर्ज नही हो पा रही है। पुलिस और प्रशासन की इस धीमी कार्यवाही ने पूरे मामले को संदेह और सवालों के घेरे में लाकर खड़ा कर दिया है।

आश्चर्यजनक बात यह है कि गुटखा फैक्टी पर छापा डाला गया, छापे के दौरान गुटखा और मशीन पकड़ी गई लेकिन आज दिनांक तक कार्यवाही आधी अधूरी पड़ी हुई है। जबकि नौगांव क्षेत्र में गुटखा की फैक्टरी लगातार चल रही है। फिर प्रशासन उन पर मेहरवान क्यों ह? इन दिनों राजश्री गुटखा की कालाबाजारी जोरो पर चल रही है नौगांव, लवकुशनगर, बारीगढ सहित कई जगह गुटखा कालाबाजारी से बेचा जा रहा है। व्यापारी गुटखे की कमी दिखाकर मौके का फायदा उठा रहें है।

यूपी के गुटखा किंग को बचाने का प्रयास -

जो गुटखा फैक्टी पकड़ी गई थी उसमें यूपी के एक तथाकथित गुटखा व्यापारी का नाम आ रहा था लेकिन पुलिस और प्रशासन ने यूपी के इस गुटखा किंग को बचाने का रास्ता पूरी तरह से साफ कर दिया है। इसीलिए यह प्रचारित किया जा रहा है कि गुटखा फैक्टी के असली मालिक का अभी तक पता नही चल पा रहा है। नौगांव क्षेत्र में गांव गांव में गुटखा फैक्टी बनाने का काम चलता है पहले भी कई जगह गुटखा फैक्टी और कच्चा व बना माल पकड़ा जा चुका है। गुटखा माफिया के नेटवर्क यूपी के गुटखा किंग से पूरी तरह जुड़े हुए है। इसलिए पुलिस और प्रशासन ने नौगांव के गुटखा माफिया से मिलकर यूपी के गुटखा किंग को बचाने के लिए बड़ी सौदे बाजी की है और यही कारण है कि दो सप्ताह बाद भी गुटखा फैक्टी के असली मालिक का सुराग नही लग पाया है। नौगांव का यह मामला प्रशासनिक शख्ती विभागीय जिम्मेदारी और कानून के प्रभाव की एक बड़ी परीक्षा बनता जा रहा है। इस गुटखा फैक्टी के पकड़े जाने के बाद अब कई अहम सवाल भी सामने आए है इन सवालों में क्या प्रशासन गुटखा माफिया के नेटवर्क तक पहुंच पाएगा। कहीं ऐसा ना हो की धीरे धीरे पूरे ठड़े बस्ते में चला जाए, लोगों के जहन में एक सवाल यह भी कोंद रहा है कि क्या बड़े स्तर पर प्रशासन द्वारा गुटखा माफिया पर कार्यवाही की जाएगी आदि तरह तरह के सवाल सामने आने लगे है।

गुटखा व्यापारियों का बोलबाला, कालाबाजारी चरम पर -

इन दिनो राजश्री गुटखा की कालाबाजारी चरम पर चल रही है। गुटखा व्यापारी निर्धारित दाम से अधिक राशि लेकर छोटे दुकानदारों को गुटखा बेच रहे है। सबसे अधिक कालाबाजारी राजश्री गुटखा की हो रही है। छोटे छोटे दुकानदार व्यापारियों के यहां लाईन लगाकर खड़े रहते है कि कब उनका नम्बर आए और उनकों गुटखा मिले। इस अबैध बसूली के पीछे जीएसटी में 40 प्रतिशत का बृद्वि का हवाला दिया जा रहा है। प्रशासनिक निगरानी के अभाव में बड़े व्यापारी छोटे व्यापारियों को लूट रहे है। इस काला बाजारी से आम उपभोक्ताओं में रोष भी देखा जा रहा है, लेकिन फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारी पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए है। छतरपुर जिले में गुटखा माफिया का एक बड़ा सिंडिकेट भी चल रहा है। इस सिंडिकेट को भेदना फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारियों के बस की बात नही रह गई है।

छतरपुर में मार्च में ही 36 डिग्री तक पहुंचा पारा, डायरिया-जुकाम के मरीज बढ़े

छतरपुर। मार्च के शुरुआती दिनों में ही सूर्य देव ने तपिश दिखानी शुरू कर दी है। मौसम तेजी से बदल रहा है और तापमान 36 डिग्री तक पहुंच गया है। इस अचानक गर्मी और मौसम परिवर्तन के कारण बच्चों में स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ गई हैं। अस्पतालों में डायरिया, उल्टी-दस्त, सर्दी-जुकाम, एलर्जी और वायरल बुखार के मरीजों की संख्या में काफी इजाफा देखा जा रहा है।

बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने से मौसम के बदलाव का सबसे ज्यादा असर उन पर पड़ रहा है। सुबह-शाम की ठंडक और दिन की तेज गर्मी के बीच शरीर को एडजस्ट करने में दिक्कत हो रही है, जिससे कमजोरी, छींकें, बदन दर्द और सांस संबंधी परेशानियां आम हो गई हैं। विशेष रूप से डायरिया और दस्त की शिकायत बच्चों में ज्यादा देखी जा रही है, जिसके कारण अस्पतालों में मरीजों की भीड़ लग रही है।

बच्चों को इन समस्याओं से बचाने के लिए अभिभावकों को कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। बच्चों को हल्के और सूती कपड़े पहनाएं, ताकि शरीर में पसीना आसानी से सोखा जा सके और त्वचा सांस ले सके। पुराने कपड़ों को अच्छी तरह धोकर धूप में सुखाकर ही इस्तेमाल करें, इससे बैक्टीरिया और एलर्जी का खतरा कम होता है। हाइड्रेशन का विशेष ध्यान रखें। बच्चे को खूब पानी और तरल पदार्थ पिलाएं, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो। खरबूजा, खीरा, संतरा जैसे हाइड्रेटिंग फल, दही और अन्य तरल चीजें दें। पौष्टिक भोजन में बादाम, आंवला और हल्दी का सेवन कराएं, जो इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करते हैं। बाहर का खाना बिल्कुल न दें और साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। बदलते मौसम में वायरल संक्रमण और एलर्जी का खतरा ज्यादा रहता है, इसलिए भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचाएं। यदि बच्चे में तेज बुखार, सांस लेने में तकलीफ, लगातार उल्टी-दस्त या तरल पदार्थ न पी पाने की स्थिति हो, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें। खुद से कोई दवा न दें, खासकर सर्दी-जुकाम की दवाओं के मामले में सतर्क रहें।

करंट से बच्चे की मौत के बाद मुआवजे के लिए भटक रही मां

जनसुनवाई में पहुंची पीड़ित महिला, आर्थिक सहायता दिलाने की मांग

छतरपुर। कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान एक पीड़ित मां ने अपने बेटे की करंट लगने से हुई मौत के बाद आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। महिला ने बताया कि घटना को करीब एक वर्ष बीत चुका है, लेकिन अब तक शासन की ओर से कोई मुआवजा राशि नहीं मिल पाई है।ग्राम खडग़ये, थाना मातगुवां की निवासी हरवाई यादव पत्नी धूराम यादव ने कलेक्टर को दिए आवेदन में लिखा कि 9 अप्रैल 2025 को तेज आंधी-तूफान के दौरान उसका पुत्र छत पर मौजूद था। इसी दौरान बिजली के तारों की चपेट में आने से उसे करंट लग गया, जिसके कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। परिजनों ने उसे तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम में भी मौत का कारण करंट लगना ही बताया गया। पीड़ित महिला ने बताया कि घटना के बाद से वह लगातार अधिकारियों के चक्कर काट रही है और शासन की योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता की मांग कर रही है, लेकिन अब तक कोई राहत नहीं मिली। उन्होंने कलेक्टर से अनुरोध किया कि उसके आवेदन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए संबंधित योजना के अंतर्गत मुआवजा राशि जल्द दिलाई जाए, ताकि परिवार को कुछ आर्थिक सहारा मिल सके।

जिपं सीईओ को मिला कलेक्टर का अतिरिक्त प्रभार

छतरपुर। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नमः शिवाय अरजरिया को अब कलेक्टर छतरपुर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। सागर संभाग के कमिश्नर अनिल सुचारी ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। ज्ञात हो कि कलेक्टर पार्थ जैसवाल कुछ दिनों के लिए प्रशासनिक प्रशिक्षण पर जिले से बाहर चले गए हैं।यह आदेश प्रशासनिक आवश्यकताओं को देखते हुए जारी किया गया है, जिसके तहत श्री अरजरिया अब जिला पंचायत सीईओ के साथ-साथ जिला कलेक्टर के दायित्व भी संभालेंगे। इससे पहले श्री अरजरिया राज्य शिष्टाचार अधिकारी के पद पर कार्यरत थे और सितंबर 2025 में उन्हें छतरपुर जिला पंचायत का सीईओ बनाया गया था। वर्तमान में छतरपुर जिले में विकास कार्यों और पंचायती राज योजनाओं को गति देने के साथ ही जिला प्रशासन की समग्र जिम्मेदारी अब उनके पास होगी।

विकलांग ने कलेक्टर जनसुनवाई में लगाई गुहार, बंटवारे के विवाद में मांगा स्थगन आदेश

जमीन विवाद से परेशान दिव्यांग की शिकायत, न्याय न मिलने पर अनशन की चेतावनी

छतरपुर। कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में एक दिव्यांग व्यक्ति ने जमीन के बंटवारे को लेकर गंभीर शिकायत दर्ज कराई और तत्काल स्थगन आदेश की मांग की। ग्राम बंधा, तहसील बड़ामलहरा के निवासी गुलाब बदई ने बताया कि खसरा क्रमांक 1143, 1149, 1150, 1151, 1152 और 1153 कुल रकबा 0.7050 हेक्टेयर की जमीन संयुक्त खाते में दर्ज है। इसके बावजूद गांव के कुछ लोग जबरन इस जमीन पर जोत-बो रहे हैं और उन्हें उनका हिस्सा नहीं दिया जा रहा है। आवेदक गुलाब बदई ने आरोप लगाया कि गटिया पिता हल्के बदई, जीवनलाल पिता हल्के बदई तथा श्यामलाल निवासी ग्राम बंधा उन्हें जमीन पर खेती करने से रोक रहे हैं और हिस्से की जमीन हड़पने की कोशिश कर रहे हैं। इस मामले में तहसीलदार बड़ामलहरा के न्यायालय में बंटवारा का प्रकरण विचाराधीन है, लेकिन संबंधित पक्ष नोटिस लेने से इनकार कर रहे हैं तथा सुनवाई में उपस्थित नहीं हो रहे हैं।

दिव्यांग आवेदक ने बताया कि उन्होंने कई बार तहसीलदार कार्यालय में स्थगन आदेश जारी करने के लिए आवेदन दिए, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण वे लगातार परेशानियों का सामना कर रहे हैं। गुलाब बदई ने कलेक्टर से अपील करते हुए कहा कि यदि जल्द से जल्द न्याय नहीं मिला और स्थगन आदेश जारी नहीं किया गया तो वे कलेक्टर कार्यालय के सामने अनशन करने को मजबूर होंगे।

स्कूलों में लापरवाही पर एक प्रधानाध्यापक निलंबित, दूसरे के खिलाफ प्रस्ताव

छतरपुर। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नमः शिवाय अरजरिया ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए कड़े कदम उठाते हुए शासकीय स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान मिली गंभीर कमियों पर उन्होंने त्वरित कार्रवाई की, जिससे शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। सीईओ अरजरिया ने सबसे पहले शासकीय प्राथमिक शाला चौकीपुरवा का दौरा किया। यहां निरीक्षण के समय समस्त बच्चे अनुपस्थित पाए गए, जबकि प्रभारी प्रधानाध्यापक धनीराम प्रजापति अकेले कक्षा में बैठे थे। साथ ही बच्चों को परोसे जा रहे मध्याह्न भोजन में भी कमी मिली। इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए सीईओ के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी ने तत्काल धनीराम प्रजापति को निलंबित कर दिया। इसके बाद टीम ने शासकीय माध्यमिक शाला कलानी का निरीक्षण किया। यहां प्रभारी प्रधानाध्यापक राखी भारती ने हाफ टाइम पर ही छुट्टी घोषित कर दी थी और बच्चे भोजन करके घर चले गए थे। हाजिरी में अनियमितता के साथ यह अनुशासनहीनता सामने आने पर सीईओ ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि प्रधानाध्यापक राखी भारती के खिलाफ निलंबन का प्रस्ताव तैयार कर उनके माध्यम से संयुक्त संचालक लोक शिक्षा, सागर को तुरंत भेजा जाए।

जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया की इस बड़ी कार्यवाही से साफ संकेत मिलता है कि सरकारी स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई और व्यवस्था पर कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए कि ऐसी अनियमितताओं पर लगातार नजर रखी जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए।

छतरपुर में रामनवमीं शोभायात्रा को भव्य बनाने की तैयारी, इस बार नहीं बजेगा डीजे

छतरपुर। शहर के प्रसिद्ध लड्डू गोपाल मंदिर में श्री राम सेवा समिति ने आगामी रामनवमी की शोभायात्रा को लेकर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया। इस दौरान पत्रकारों से यात्रा को और अधिक भव्य बनाने के लिए सुझाव लिए गए तथा समिति द्वारा कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनमें प्रमुख रूप से डीजे का उपयोग न करने का फैसला शामिल है।

कार्यक्रम प्रभारी पंकज पहारिया ने बताया कि महाराष्ट्र में गणपति महोत्सव की यात्रा, कोलकाता में दुर्गा माता की यात्रा तथा जगन्नाथ पुरी की रथ यात्रा की तरह छतरपुर की रामनवमी शोभायात्रा भी बुंदेलखंड की समृद्ध संस्कृति को समेटे हुए भव्य रूप में निकलेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह यात्रा इतनी दिव्य और आकर्षक होगी कि लोग इसे देखकर चकित रह जाएंगे। मातृशक्ति का योगदान भी इस शोभायात्रा में बढ़-चढ़कर रहेगा। यात्रा में पारंपरिक वाद्य यंत्र जैसे ढोल, नगाड़े, दलदल घोड़ी आदि के साथ बुंदेलखंड की सांस्कृतिक झलकियां स्पष्ट रूप से दिखाई देंगी। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे श्री राम सेवा समिति से जुड़ें और इसे अपना व्यक्तिगत कार्य मानकर शोभायात्रा को भव्य एवं दिव्य बनाने में सहयोग करें। मीडिया प्रभारी अभिलेख खरे ने बताया कि श्री रामनवमी की शोभायात्रा शहर का एक विशाल एवं भव्य धार्मिक आयोजन है। इसमें बुजुर्गों सहित सभी वर्ग के लोग शामिल होते हैं, इसलिए उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए डीजे की तेज ध्वनि से होने वाली परेशानी को रोकने का निर्णय लिया गया है। संयोजक राकेश तिवारी ने जानकारी दी कि पिछले 20 वर्षों से यह रामनवमी शोभायात्रा निरंतर निकाली जा रही है। पिछले कुछ वर्षों में बुजुर्ग श्रद्धालुओं की ओर से डीजे की तेज आवाज के कारण होने वाली असुविधा की शिकायतें मिल रही थीं। इसी को देखते हुए समिति ने इस बार सर्वसम्मति से डीजे का उपयोग पूरी तरह बंद करने का निर्णय लिया है। यात्रा अब पारंपरिक संगीत और भक्ति भजनों के साथ अधिक शांतिपूर्ण एवं संस्कृति से ओतप्रोत रूप में शोभायात्रा निकलेगी।

गहोई समाज में रंग पंचमीं समारोह धूमधाम से संपन्न

महिला मंडल की नई कार्यकारिणी ने ग्रहण किया पदभार, शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

छतरपुर। रंग पंचमी के पावन अवसर पर गहोई समाज ने होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया, जिसमें समाज के स्वजातीय परिवारों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में के.वी. बरसैंया एवं अर्चना बृजपुरिया उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत सभी स्वजातीय बंधुओं द्वारा सूर्य मंदिर में भगवान के दर्शन एवं आराधना से हुई। इसके बाद मंचासीन अतिथियों के साथ नगर समाज अध्यक्ष प्रेम नारायण रूसिया, महिला मंडल अध्यक्ष मंजू बिलैया एवं सूर्य मंदिर लोक न्यास के अध्यक्ष राजा भैया रूसिया ने मंच संभाला। समारोह का शुभारंभ में प्रति वर्ष की परंपरा के अनुसार पाखी तपा एवं सिया नौगरिया ने राधा-कृष्ण के स्वरूप में सुंदर होली नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मूर्ख सम्राट सामाग्री की घोषणा की गई, जिसमें श्रीमती नीता राजेंद्र खरया को चुना गया। दोनों को नवविवाहित जोड़े के रूप में मंच पर आसीन कराया गया और समाज के सभी बंधुओं ने उनके पद पर आसीन होने पर हार्दिक बधाई देते हुए उपहार भेंट किए। नगर गहोई समाज अध्यक्ष एवं महिला मंडल अध्यक्ष ने शब्द सुमन से सभी का स्वागत किया। कोषाध्यक्ष रमेश बृजपुरिया ने पिछले वर्ष का आय-व्यय विवरण वाचन किया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में महिला मंडल की नई कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। नई कार्यकारिणी में मनीषा डेंगरे अध्यक्ष, नीता खरया उपाध्यक्ष, कोमल टिकरया महामंत्री एवं नीलू नौगरिया कोषाध्यक्ष के पद पर आसीन हुईं। महासभा द्वारा विंध्य क्षेत्र के विभिन्न पदों पर मनोनीत पदाधिकारियों का भी अभिनंदन किया गया। इनमें श्री विश्वनाथ बड़ौन्या को विंध्य क्षेत्र बरिष्ठ संघ अध्यक्ष, मनोज डेंगरे को उपाध्यक्ष, कमलेश सेठ को कोषाध्यक्ष, विनोदनी रावत को महिला मंडल महामंत्री, राजेश रूसिया को महासभा विशेष कार्यकारिणी सदस्य एवं विक्रांत रेजा को विंध्य क्षेत्र नवयुवक मंडल कोषाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। सभी का समाज द्वारा जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के अंत में एस.डी. कुचिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन का दायित्व राजेश रूसिया ने कुशलतापूर्वक निभाया। समारोह के समापन पर सभी उपस्थितजनों ने सहभोज में भाग लिया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से गोकुल नौगरिया, रामस्वरूप बरसैंया, रामस्नेही नगरिया, बद्री प्रसाद बहरे, वृजमोहन रावत, राजेश सरावगी, राजेंद्र नीखरा, अशोक कुचया, विनोद सरावगी, मनोज ददरया, देवेंद्र डेंगरे, अनिल नौगरिया, के.के. बृजपुरिया, रवि नीखरा, ओमप्रकाश पिपरसानियां, राकेश रूसिया, नवीन टिकरया, अवधेश रावत, मनोज खरया, किरन बृजपुरिया, भावना नगरिया, रश्मि रूसिया, रीना रूसिया, कल्पना रावत, रजनी नौगरिया सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

वृहद रक्तदान शिविर 16 मार्च को कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय में

रीवा । आगामी 16 मार्च को जिला चिकित्सालय में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने शिविर आयोजन में विभिन्न विभागों को सहभागिता के निर्देश दिये हैं। उन्होंने आमजन से अपील की है कि रक्तदान शिविर में भाग लेकर रक्तदान जैसे पुनीत कार्य में भागीदार बनें। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को शिविर की व्यवस्थाओं के संबंध में दायित्व सौंपे तथा निर्देश दिये कि शिविर के व्यवस्थित आयोजन की सभी तैयारियाँ पूर्ण करायें। उन्होंने शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों से शिविर में अधिक से अधिक रक्तदान कराने की बात कही। कलेक्टर ने कहा कि इससे पूर्व भी रीवा में जो रक्तदान शिविर आयोजित हुए हैं उनके अच्छे परिणाम आयें हैं। लोगों ने बढ़-चढ़कर इसमें हिस्सेदार की ओर अधिक मात्रा में रक्त का संग्रहण हुआ। उन्होंने स्वयं सेवी संस्थाओं से रक्तदान शिविर में अधिक संख्या में उपस्थित होकर रक्तदान करने की अपील की। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर राजेश सिन्हा, रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी, सीएमएचओ डॉ. यत्नेश त्रिपाठी, समाजसेवी परमजीत सिंह ढंग सहित विभागीय अधिकारी, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कोल भवन में आज लगेगा कारीगर मेला

रीवा । सामुदायिक कोल भवन चिरहुला कालोनी रीवा में 11 मार्च को सुबह 11 बजे से कारीगर मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसका आयोजन जनजातीय कार्य विभाग तथा ट्राईफेड द्वारा किया जा रहा है। इस संबंध में जिला संयोजक केके पाण्डेय ने बताया कि मध्यप्रदेश आदिवासी कारीगर मेले में प्रत्येक जनजातीय वर्ग का कारीगर भाग ले सकता है। जनजातीयों के लिए कार्य करने वाले स्वसहायता समूह तथा ऐसे अशासकीय संगठन जिनके 70 प्रतिशत सदस्य जनजाति वर्ग के हों वे भी इसमें शामिल हो सकते हैं। सम्मेलन में पंजीयन कराने के लिए जाति प्रमाण पत्र आधार कार्ड और बैंक पासबुक की प्रति प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। सभी प्रतिभागी जनजातीय कारीगरों के ठहरने तथा कार्यक्रम स्थल तक लाने और ले जाने के लिए यात्रा व्यय पूर्ति ट्राईफेड द्वारा की जाएगी। आदिवासी कारीगरों द्वारा उत्पादित विभिन्न वस्तुओं के विपणन की भी व्यवस्था की जाएगी। जिला संयोजक ने जिला प्रबंधक आजीविका मिशन, जिला प्रबंधक खादी ग्रामोद्योग तथा जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग मऊगंज से उनकी संस्था से जुड़े जनजातीय कारीगरों को कारीगर मेले में शिरकत कराने का अनुरोध किया है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त 13 मार्च को होगी जारी

रीवा । प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त का वितरण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 13 मार्च को गुवाहाटी असम से किया जाएगा। यह दिन पीएम किसान उत्सव दिवस के रूप में मनाया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने 13 मार्च को आयोजित होने वाले कार्यक्रम को जिला, विकासखण्ड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर लाइव प्रसारण दिखाए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस कार्यक्रम में सांसद, विधायक सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत वर्ष में 6 हजार रुपए की राशि तीन समान किस्तों में किसानों को प्रदान की जाती है।

खाद्यान्न का माह की 20 तारीख तक शत-प्रतिशत वितरण कराएं

किसानों द्वारा दर्ज रकबे का शत प्रतिशत सत्यापन कराएं - श्रीमती शमी

रीवा । अपर मुख्य सचिव खाद्य रश्मि अरूण शमी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन की तैयारियों तथा खाद्यान्न वितरण की समीक्षा की। श्रीमती शमी ने कहा कि रीवा संभाग में समर्थन मूल्य पर गेंहू का उपार्जन 7 अप्रैल से आरंभ होगा। कलेक्टर खरीदी केन्द्रों में उपार्जन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उपार्जन के लिए पंजीकृत किसानों द्वारा दर्ज रकबे का शत-प्रतिशत सत्यापन कराएं। उपार्जन के लिए पहली बार पंजीयन कराने वाले किसानों तथा सिकमी बटाईदार किसानों के पंजीयन का विशेष तौर पर सत्यापन कराएं। गेंहू उपार्जन के लिए अपर कलेक्टर को नोडल अधिकारी बना दें। उपार्जन के समय गेंहू की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। उपार्जित गेंहू के खरीदी केन्द्र से समय पर उठाव, सुरक्षित भण्डारण तथा किसान को तीन दिन में भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित करें। किसानों के आधार सीड बैंक खाते में ही राशि का भुगतान किया जाएगा। सभी कमिश्नर उपार्जन की हर सप्ताह समीक्षा कर उपार्जन की समुचित निगरानी करें। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि खरीदी केन्द्र में 16 तरह की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उपार्जन के लिए पर्याप्त संख्या में बारदाने उपलब्ध कराए जा रहे हैं। फसल की वर्तमान स्थिति के अनुसार उपार्जित गेंहू की मात्रा का आकलन

करें। रीवा और सतना जिलों में भण्डारण के लिए उचित व्यवस्था कराएं। गोदामों में भण्डारित धान की तेजी से मिलिंग कराकर गेंहू के लिए पर्याप्त स्थान सुनिश्चित करा लें। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि उचित मूल्य दुकानों से वितरण के लिए तीन माह का खाद्यान्न एक साथ आवंटित किया जा रहा है। मार्च और अप्रैल के खाद्यान्न का वितरण 15 अप्रैल तक तथा मई और जून के खाद्यान्न का वितरण 31 मई तक कराएं। कलेक्टर्स उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न वितरण की नियमित निगरानी करें। आवंटित खाद्यान्न का माह की 20 तारीख तक शत-प्रतिशत वितरण कराएं। खाड़ी देशों में अशांति की स्थिति के कारण अभी पेट्रोलियम तथा एलपीजी गैस की आपूर्ति में प्रदेश में किसी तरह की बाधा नहीं है। इनके पर्याप्त भण्डार उपलब्ध हैं। आमजनता को इस बात के लिए आश्वस्त करें कि पेट्रोलियम पदार्थों की किसी भी तरह की कमी नहीं है। बैठक में आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने गेंहू उपार्जन की प्रक्रिया तथा प्रमुख निर्देशों की जानकारी दी। आयुक्त खाद्य ने कहा कि कलेक्टर्स शेष बचे खरीदी केन्द्रों के प्रस्ताव तत्काल भेजें। खरीदी केन्द्र गोदाम स्तर पर बनाने का प्रयास करें जिससे परिवहन की आवश्यकता न रहे। धान मिलर्स के साथ बैठक करके धान की मिलिंग में तेजी लाएं जिससे गेंहू भण्डारण के लिए पर्याप्त स्थान मिल सके। उपार्जित गेंहू तथा उचित मूल्य दुकानों के लिए आवंटित खाद्यान्न के परिवहन की समुचित व्यवस्था करें। रीवा और सतना जिले में सीमावर्ती क्षेत्रों में बैरियर लगाकर गेंहू के अवैध परिवहन पर कठोरता से रोक लगाएं। संचालक वेयरहाउस अनुराग वर्मा तथा क्षेत्रीय संचालक एफसीआई श्रीमती सूफिया फारूकी ने गेंहू के भण्डारण के संबंध में जानकारी दी। बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शामिल कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुसार पंजीकृत किसानों के रकबे का 15 दिवस में शत-प्रतिशत सत्यापन करा लिया जाएगा। खरीदी केन्द्रों को गोदाम स्तर पर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। धान की मिलिंग में तेजी लाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। संभाग में गेंहू उपार्जन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल तथा संभाग सभी जिलों के कलेक्टर एवं उपार्जन से जुड़े अधिकारी अपने-अपने जिलों से शामिल हुए।

रीवा संभाग ई आफिस में लगातार प्रदेश में प्रथम स्थान पर

रीवा । प्रशासनिक नवाचार के तहत ई आफिस व्यवस्था लागू की गई है। अब कार्यालयों के अंदर तथा अन्य कार्यालयों में फाइलों का संचालन ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है। ई आफिस व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करके रीवा संभाग में संभागीय रैंकिंग में अक्टूबर माह से लगातार प्रदेश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि रीवा संभाग में कुल 16025 फाइलें ई आफिस में क्रिएट की गईं तथा 62125 फाइलों का मूवमेंट हुआ। प्रदेश में दूसरे स्थान पर नर्मदापुरम संभाग है, जिसमें 5588 फाइलों का क्रिएशन तथा 44452 फाइलों का मूवमेंट हुआ है। तीसरे स्थान पर ग्वालियर संभाग है। इसमें 2736 फाइलों का क्रिएशन तथा 29654 फाइलों का मूवमेंट हुआ है। कमिश्नर ने बताया कि प्रदेश स्तर में संभाग और जिलों की सामूहिक रैंकिंग में सभी जिले और संभाग शामिल किए गए हैं। इनकी कुल संख्या 65 है। इस रैंकिंग में रीवा जिला 16वें स्थान पर है। रीवा जिले में 6419 फाइलें क्रिएट हुई हैं तथा 42456 फाइलों का मूवमेंट हुआ है। रैंकिंग में सिंगरौली जिला 40वें, मऊगंज जिला 50वें, सतना जिला 47वें, सीधी जिला 43वें तथा मैहर जिला 54वें स्थान पर है। कमिश्नर ने सभी कलेक्टर्स को ई आफिस प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने तथा सभी जिला कार्यालयों में इसे दृढ़ता से लागू कराने के निर्देश दिए हैं। ई आफिस के माध्यम से कम श्रम और कम समय में फाइलों का मूवमेंट और निराकरण हो रहा है। यह सुशासन को मजबूत करने के लिए सराहनीय पहल है।

ऑपरेशन रिंगटोन सफल, पुलिस ने 20 लाख के 111 गुम मोबाइल लौटाए, लोगों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

अमहिया पुलिस का कारगर कदम, लोगों ने की पुलिस की सराहना

रीवा। डिजिटल दौर में मोबाइल फोन लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। ऐसे में मोबाइल के गुम हो जाने पर व्यक्ति के कई जरूरी काम ठप पड़ जाते हैं। रीवा पुलिस ने इसी परेशानी को समझते हुए एक सराहनीय पहल करते हुए ऑपरेशन रिंगटोन के तहत गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को लौटाए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से लोगों के चेहरों पर फिर से मुस्कान लौट आई। मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह ने थाना अमहिया क्षेत्र से गुम हुए 111 मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे। इन मोबाइल फोन की कुल कीमत लगभग 20 लाख रुपये बताई जा रही है। लंबे समय से अपने खोए हुए मोबाइल फोन की उम्मीद छोड़ चुके लोगों को जब उनके मोबाइल वापस मिले तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह ने बताया कि मोबाइल गुम होने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तकनीकी सहायता और ट्रेसिंग के माध्यम से इन मोबाइल फोन को बरामद किया। इस पूरी कार्रवाई में थाना अमहिया पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका रही। थाना प्रभारी शिव अग्रवाल और उनकी टीम ने लगातार प्रयास करते हुए इन मोबाइल फोन को ट्रेस कर बरामद किया, मोबाइल वापस पाने वाले लोगों ने बताया कि आज के समय में मोबाइल फोन केवल बातचीत का साधन नहीं, बल्कि बैंकिंग, ऑनलाइन लेन-देन, पढ़ाई और अन्य कई जरूरी कार्यों का माध्यम बन चुका है। मोबाइल गुम हो जाने के बाद उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में पुलिस द्वारा मोबाइल वापस दिलाने से उन्हें बड़ी राहत मिली है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी का मोबाइल फोन गुम हो जाए तो तुरंत नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं या संबंधित पोर्टल पर जानकारी दें। समय पर शिकायत दर्ज होने से मोबाइल फोन को ट्रेस कर वापस दिलाने में काफी मदद मिलती है।

तिब्बत की आजादी के सवाल पर दुनिया के स्वतंत्रता पक्षधरों को मुखर होना होगा: अजय खरे

तिब्बती नेता दलाई लामा के सम्मान में धर्मशाला में देश भर से प्रतिनिधि आए

रीवा । हिमाचल प्रदेश के तिब्बती निर्वासित सरकार के मुख्य केंद्र धर्मशाला में मंगलवार 10 मार्च को तिब्बत के वजूद की लड़ाई के 67 वें दिवस अवसर एवं तिब्बत के सर्वोच्च नेता 14 वें दलाई लामा के 90 वें वर्ष प्रवेश के उपलक्ष्य में उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन के लिए हो रही प्रार्थना सभा में शामिल होने भारत तिब्बत मैत्री संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लोकतंत्र सेनानी अजय खरे एवं उनकी धर्मपत्नी प्रोफेसर डॉ गायत्री खरे रीवा मध्यप्रदेश से प्रतिनिधि भागीदारी निभाने पहुंचें हैं। बुधवार 11 मार्च को परम पावन दलाई लामा के सम्मान में कार्यक्रम रखा गया है। 12 एवं 13 मार्च को अखिल भारतीय तिब्बत समर्थक समूह सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से आए सैकड़ों प्रतिनिधियों का समावेश होगा। श्री खरे ने बताया कि तिब्बत की आजादी का सवाल दुनिया के स्वतंत्रता पक्षधरों के लिए बड़ी चुनौती है। 20 वीं शताब्दी के मध्य में जब दुनिया के अधिकांश देश आजाद हो रहे थे तब साम्राज्यवादी चीन ने षड़यंत्र करके तिब्बत को गुलाम बना तिब्बतियों के जीवन के साथ लम्बे समय से क्रूर खिलवाड़ किया जा रहा है। निर्वासित जीवन में तिब्बतियों की कई पीढ़ियां खप गई हैं। तिब्बतियों को लम्बे समय से अपने देश को आजादी की सख्त जरूरत है। तिब्बत दिवस पर तिब्बतियों की यह पीड़ा पर पूरी दुनिया की नजर है। श्री खरे ने कहा कि दुनिया में नागरिक आजादी और देश की अस्मिता संप्रभुता की रक्षा के लिए विश्व जनमत को संगठित होने की ऐतिहासिक जरुरत है। तिब्बत का सवाल भारतीय संदर्भ में सबसे अहमियत रखता है। तिब्बत की आजादी और भारत की सुरक्षा का सवाल परस्पर पूरक है। दुनिया के हर देश में तिब्बत प्रश्न पर आवाज मुखर होने की जरूरत है।

जनसुवाई में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटा कर रास्ता बहाल कराने के दिये निर्देश

जनसुनवाई में 88 आवेदकों की सुनी गई समस्यायें

रीवा । कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में 88 आवेदकों की समस्यायें सुनीं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने हरदाई टोला जवा के आम नागरिकों द्वारा शासकीय भूमि के अतिक्रमण हटाकर रास्ता बहाल कराने के आवेदन पर एसडीएम जवा को कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जबकि चौर निवासी अनिल कुमार जायसवाल के सीमांकन कराकर रास्ता दिलाने के आवेदन पर एसडीएम जवा को तीन दिवस में कार्यवाही कर सूचित करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये। जनसुनवाई में रामदयाल चौड़ियार निवासी के बटवारा अनुसार कार्यवाही किये जाने के आवेदन पर एसडीएम गुढ़ को तथा खैरा निवासी लखनलाल चौधरी के सीमांकन कराने के आवेदन पर तहसीलदार हुजूर को, मो. सकसैन के मकान निर्माण पर रोक के आवेदन पर तहसलदार हुजूर को तथा दुआरी निवासी भोला प्रसाद पटेल के शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के आवेदन पर तहसीलदार गुढ़ को समुचित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। कुसुम पाण्डेय पुष्पराज नगर के अवैध कब्जा हटाने के आवेदन पर कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को सात दिवस में कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने हीरामणि मिश्रा लोही, उमेश कुमार नामदेव नोनारी दादर जवा, लाला केवट पाली 301 सिरमौर एवं नंदकिशोर शुक्ला फूल के विद्युत बिल सुधार के आवेदनों पर विद्युत मंडल के अधिकारी को परीक्षण कर कार्यवाही सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने शिक्षा विभाग से संबंधित आवेदनों में कार्यवाही में हुए विलंब पर संबंधितों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिये। अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर राजेश सिन्हा एवं डिप्टी कलेक्टर सुरभि जैन तथा विभागीय अधिकारी भी जनसुनवाई में उपस्थित रहे।

संपत्ति विवाद ने लिया हिंसक रूपः घर बना जंग का मैदान, बर्तन-कुर्सियां बनीं हथियार; पुलिस भी आई चपेट में

रीवा। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में संपत्ति विवाद को लेकर एक घर जंग का मैदान बन गया। बता दे मामूली कहासुनी से शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि घर के भीतर महिलाओं और बुजुर्गों ने भी मोर्चा संभाल लिया। मारपीट के दौरान घर के बर्तन, कुकर, कुर्सी और टेबल तक हथियार के रूप में इस्तेमाल किए गए। स्थिति को संभालने पहुंची पुलिस भी इस झड़प की चपेट में आ गई। जानकारी के अनुसार, सिटी कोतवाली क्षेत्र में रहने वाले दो पक्षों के बीच संपत्ति को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। बीते दिन मामूली कहासुनी के बाद विवाद ने अचानक उग्र रूप ले लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाइश देकर मामला शांत कराया। इसके बाद दोनों पक्षों ने थाने में एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। हालांकि, पुलिस की समझाइश के बाद जब दोनों पक्ष अपने घर लौटे तो विवाद एक बार फिर भड़क उठा। बताया जा रहा है कि फरियादी जब अपने घर पहुंचा तो पाया कि घर पर कब्जा किया जा चुका है। इसी दौरान घर के दामाद इरशाद इलाहाबादी ने दरवाजा बंद कर अंदर से मोर्चा संभाल लिया। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर फिर से पुलिस को मौके पर बुलाया गया। पुलिस जब दोनों पक्षों को समझाने की कोशिश कर रही थी, तभी घर के अंदर से अचानक हमला शुरू हो गया। इस बार महिलाओं ने मोर्चा संभाल लिया और घर में मौजूद बर्तन, कुकर, कुर्सी और टेबल को हथियार बनाकर हमला कर दिया। इस दौरान घर की बुजुर्ग महिलाएं भी मारपीट में शामिल हो गईं। अचानक हुए हमले से कुछ देर के लिए पुलिस भी असहाय नजर आई और हालात बेकाबू हो गए। स्थिति को गंभीर होते देख थाना प्रभारी श्रृंगेश राजपूत ने तत्काल अतिरिक्त पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। पुलिस ने दोनों पक्षों को काबू में कर थाने लाया। बताया जा रहा है कि शौकत निजामी नामक व्यक्ति जिस घर में कब्जे को लेकर विवाद हुआ, उसी के बाद यह मारपीट का मामला और उग्र हो गया। बताया गया है कि देर रात लगभग एक बजे तक इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

मुख्यालयों में ही रहें सभी स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कर्मचारी अन्यथा अनुपस्थिति पर होगी कार्रवाईः सीएमएचओ

रीवा। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डाक्टर यत्नेश त्रिपाठी ने पदभार ग्रहण करने के साथ ही। स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की गति बढ़ा दी है। उल्लेखनीय है कि गत 2 महीने से सीएमएचओ कुर्सी को लेकर खींचतान मचा हुआ था। जिसकी वजह से स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत नियमित एवं संविदा कर्मचारियों को वेतन के लाले पड़े हुए थे। सीएमएचओ डॉक्टर त्रिपाठी ने एक भेंट वार्ता के दौरान कहां की मार्च महीने में हमारा पूरा फोकस कर्मचारियों के वेतन निकालने पर रहेगा। ताकि सभी कर्मचारी संतुष्ट रह कर कार्य कर सकें। इसके बाद ही जिलेभर में संचालित स्वास्थ्य संस्थाओं का भ्रमण शुरू होगा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सभी कर्मचारियों को चेताते हुए कहा है कि सभी अपने-अपने क्षेत्रीय मुख्यालयों में ही निवास करने की आदत डाल लें। जिससे स्वास्थ्य सुविधाएं आम जनों को आसानी से उपलब्ध हो सके। कहा कि हर हाल में हमें स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाना है। ताकि शहरी तथा दूरस्थ ग्रामीण अंचल में निवास करने वाले लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने यहां तक कहा कि हमारे द्वारा यह प्रयास रहेगा कि जो सक्रियता से काम करेंगे उन्हें उपकृत करेंगे और जो लापरवाही बरतेंगे तो उन पर कार्रवाई भी निश्चित होगी। श्री त्रिपाठी ने प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि हर तरह के जनहित से जुड़े चल रहे राष्ट्रीय कार्यक्रमों पर भी विशेष फोकस रहेगा ताकि जिला प्रगति में ना पिछड़े। इसके अलावा उन्होंने कर्मचारियों के अटैचमेंट पर भी प्रकाश डाला। बताया कि इसके लिए शासन स्तर से जो भी मार्गदर्शन मिलेगा उस अनुरूप निश्चित रूप से प्रकिया का पालन का पालन किया जाएगा। श्री त्रिपाठी ने प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि हर हाल में हमें जिले भर में संचालित स्वास्थ्य संस्थानों को सक्रिय बनाना है। ताकि हर संस्थानों में क्षेत्र वासियों को बीमारी का इलाज सरलता से मिल सके। इसके लिए जो भी हमें कदम उठाना पड़ेगा कानूनी दायरे में रहकर निश्चित रूप से उठाएंगे।

सौ दिन से अधिक की शिकायतें 15 मार्च तक लंबित रहीं तो रूकेगी वेतन वृद्धि

रीवा । कमिश्नर बीएस जामोद ने कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक में कहा कि सभी अधिकारी प्रशासनिक इकाईयों के संबंध में उपयोगी सुझाव दें। इन सुझावों में विभागीय सेटअप तथा जिले एवं तहसीलों की सीमाओं में परिवर्तन को भी शामिल करें। संभाग स्तर पर 12 मार्च को आयोजित होने वाली बैठक में इन प्रस्तावों की समीक्षा की जाएगी। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का निराकरण कराएं। संभाग का कोई भी जिला और कोई भी विभाग ग्रेडिंग में ए श्रेणी से नीचे न रहे। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित आवेदन पत्रों के निराकरण पर भी विशेष ध्यान दें। सीएम हेल्पलाइन में राजस्व, ग्रामीण विकास विभाग, खाद्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पीएचई, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग तथा नगरीय निकायों में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। संबंधित अधिकारी इनके निराकरण पर विशेष ध्यान दें। सीएम हेल्पलाइन में 15 मार्च तक सौ दिन से अधिक समय से लंबित सभी आवेदन पत्रों का निराकरण कराएं। इसके बाद भी यदि आवेदन पत्र लंबित रहता है तो संबंधित अधिकारी की वेतनवृद्धि रोकने की कार्यवाही की जाएगी। कमिश्नर ने कहा कि ई आफिस में रीवा संभाग संभागीय रैंकिंग में प्रदेश में लगातार प्रथम स्थान पर बना हुआ है। इसके लिए सभी संभागीय अधिकारियों को मैं बधाई देता हूं। संभाग में मैहर, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली और सतना जिलों में भी ई आफिस व्यवस्था को बेहतर कराएं। सभी पत्र और फाइलें ई आफिस से ही भेजें। कमिश्नर ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान में प्राप्त सभी आवेदन पत्रों का एक सप्ताह में निराकरण कराएं। रीवा और सतना जिलों में अपेक्षाकृत कम आवेदन पत्र दर्ज हुए हैं। इन जिलों में पुनः आवेदन पत्र प्राप्त करने की आवश्यकता है। शासन के निर्देशों के अनुसार 19 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू किया जा रहा है। संबंधित विभागों के अधिकारी दो दिवस में अभियान की विभागीय कार्ययोजना प्रस्तुत करें। कार्ययोजना में जल संरक्षण के गत वर्ष के अधूरे कार्यों को भी शामिल करें। साथ ही नदियों के जल भराव क्षेत्र में वृक्षारोपण, उद्गम स्थलों तथा प्राचीन जल स्रोतों की साफ-सफाई को भी शामिल करें। अधीक्षण यंत्री पीएचई सभी हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाने के प्रस्ताव शामिल करें। जल गंगा संवर्धन अभियान को सफल बनाने में स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा आमजनता की भी प्रमुखता से भागीदारी सुनिश्चित करें।